Regarding Need to establish a National Sugar Institute in Meerut, Uttar Pradesh-laid

श्री अरुण गोविल **(**मेरठ**) :** उत्तर प्रदेश में पश्चिमी उत्तर प्रदेश शुगर बेल्ट के रूप में जाना जाता है। अभी तक देश में गन्ने के संबंध में रिसर्च, प्रशिक्षण एवं कंसल्टेंसी देने के लिए सिर्फ कानपुर में एक नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट है जो 1936 में स्थापित किया गया था। इस इंस्टिट्यूट में वर्तमान में 12 कोर्स है, जिनमें से प्रमुख कोर्स है- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इंडस्ट्रियल फर्मेंटेशन एंड टेक्नोलॉजी और बोयलिंग टेक्नोलॉजी। वर्तमान समय में चीनी के साथ साथ शराब, गत्ते, बिजली, एथेनॉल का भी सोर्स हो गया है।

एथेनॉल उत्पादन से देश में अब तक 99 हजार करोड़ रूपये की बचत हुई है, 2025 तक जब ईंधन में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाया जाएगा तो बचत एक लाख करोड़ रूपये प्रति वर्ष हो जाएगी। इन तरह गन्ने तथा चीनी उद्योग का महत्व बहुत बढ़ गया है। इस समय देश में 534 शुगर मिल है। कानपुर का शुगर इंस्टिट्यूट साल मे 325 टेक्नोलॉजिस्ट तैयार करता है। अर्थात् एक शुगर मिल के लिए एक साल में एक टेक्नोलॉजिस्ट भी तैयार नहीं हो पा रहा है। इसलिए शुगर टेक्नोलॉजी के पाठ्यक्रर्मो में परिवर्तन की आवश्यकता है अतः मेरठ में नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट खोलने की जरूरत है।